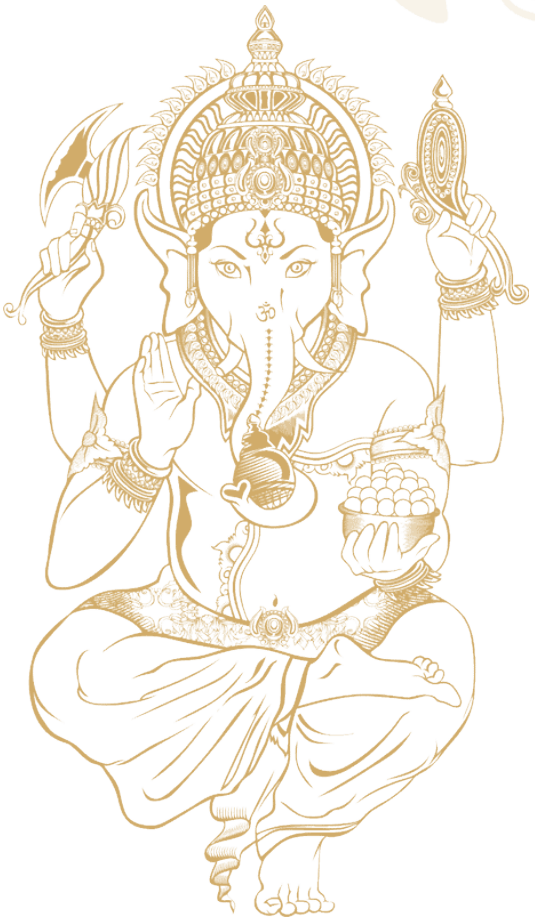

Mr.

02 Jan 2026

05:32 PM

Katni

Model: web-freekundliweb

Order No: 120809203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/01/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:32:00 घंटे**
इष्ट	26:42:05 घटी
स्थान	**Katni**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	80:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:23:56 घंटे
वेलान्तर	-00:03:56 घंटे
साम्पातिक काल	00:12:30 घंटे
सूर्योदय	06:51:09 घंटे
सूर्यास्त	17:33:12 घंटे
दिनमान	10:42:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:52:36 धनु
लग्न के अंश	18:29:39 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ब्रह्म
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:29:39	319:17:04	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			धनु	17:52:36	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	05:04:54	15:02:09	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	19:37:04	00:46:02	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	06:43:37	01:32:03	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:56:19	00:07:55	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	16:52:26	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
शनि			मीन	02:02:05	00:03:38	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:30:17	00:09:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:30:17	00:09:18	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:41:13	00:01:35	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:18:15	00:00:48	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:32:31	00:01:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	09:11:02	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:19

लग्न-चलित

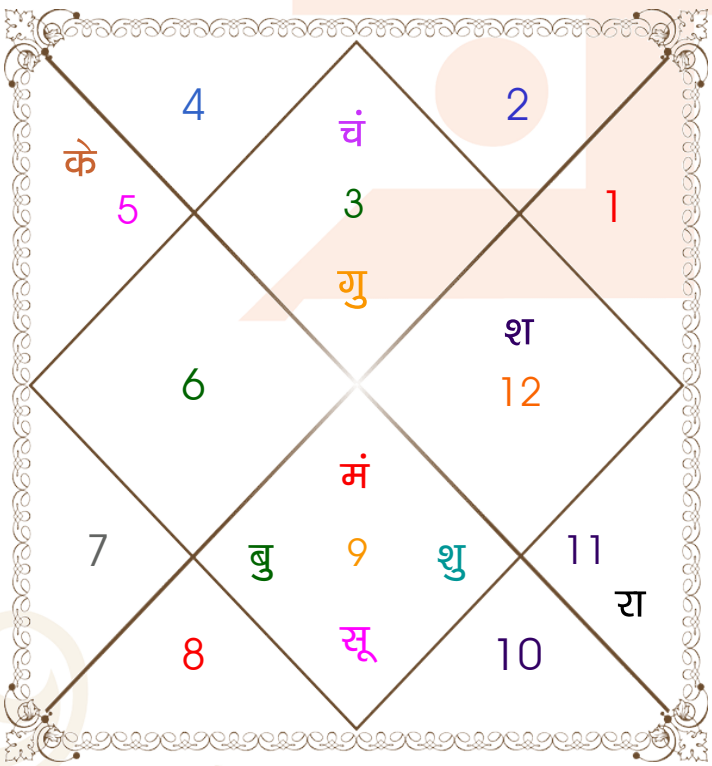

चन्द्र कुंडली

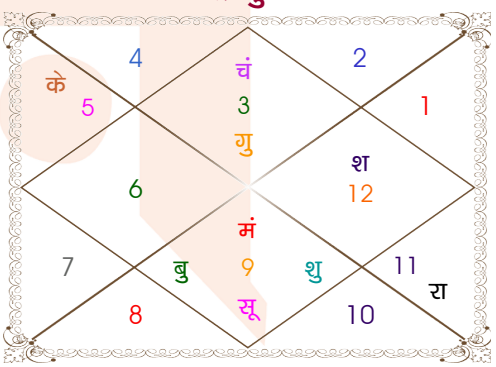

नवमांश कुंडली

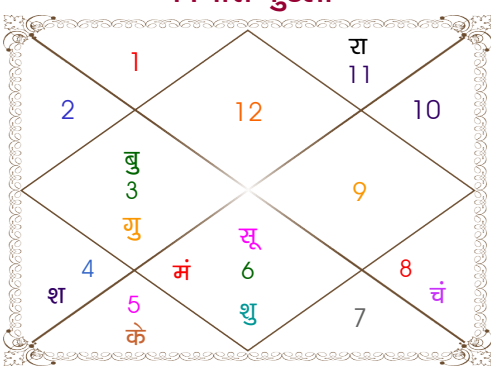

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 9 मास 30 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/01/2026		02/11/2026		02/11/2044		02/11/2060		02/11/2079	
02/11/2026		02/11/2044		02/11/2060		02/11/2079		02/11/2096	
	00/00/0000	राहु	15/07/2029	गुरु	21/12/2046	शनि	05/11/2063	बुध	31/03/2082
	00/00/0000	गुरु	09/12/2031	शनि	03/07/2049	बुध	16/07/2066	केतु	28/03/2083
	00/00/0000	शनि	15/10/2034	बुध	09/10/2051	केतु	24/08/2067	शुक्र	26/01/2086
	00/00/0000	बुध	03/05/2037	केतु	14/09/2052	शुक्र	24/10/2070	सूर्य	03/12/2086
	00/00/0000	केतु	22/05/2038	शुक्र	16/05/2055	सूर्य	06/10/2071	चंद्र	03/05/2088
	00/00/0000	शुक्र	22/05/2041	सूर्य	03/03/2056	चंद्र	06/05/2073	मंगल	30/04/2089
	02/01/2026	सूर्य	15/04/2042	चंद्र	03/07/2057	मंगल	15/06/2074	राहु	18/11/2091
सूर्य	03/04/2026	चंद्र	15/10/2043	मंगल	09/06/2058	राहु	21/04/2077	गुरु	23/02/2094
चंद्र	02/11/2026	मंगल	02/11/2044	राहु	02/11/2060	गुरु	02/11/2079	शनि	02/11/2096

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/11/2096		03/11/2103		03/11/2123		03/11/2129		03/11/2139	
03/11/2103		03/11/2123		03/11/2129		03/11/2139		00/00/0000	
केतु	31/03/2097	शुक्र	05/03/2107	सूर्य	21/02/2124	चंद्र	03/09/2130	मंगल	01/04/2140
शुक्र	31/05/2098	सूर्य	04/03/2108	चंद्र	22/08/2124	मंगल	04/04/2131	राहु	19/04/2141
सूर्य	06/10/2098	चंद्र	03/11/2109	मंगल	27/12/2124	राहु	03/10/2132	गुरु	26/03/2142
चंद्र	07/05/2099	मंगल	03/01/2111	राहु	21/11/2125	गुरु	02/02/2134	शनि	05/05/2143
मंगल	03/10/2099	राहु	03/01/2114	गुरु	09/09/2126	शनि	04/09/2135	बुध	01/05/2144
राहु	21/10/2100	गुरु	03/09/2116	शनि	22/08/2127	बुध	02/02/2137	केतु	27/09/2144
गुरु	27/09/2101	शनि	03/11/2119	बुध	28/06/2128	केतु	03/09/2137	शुक्र	27/11/2145
शनि	06/11/2102	बुध	03/09/2122	केतु	03/11/2128	शुक्र	05/05/2139	सूर्य	03/01/2146
बुध	03/11/2103	केतु	03/11/2123	शुक्र	03/11/2129	सूर्य	03/11/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 9 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।